**संख्या-19/2020/160/अडतीस-9-2020-06(बजट)/2018**

**प्रेषक,**

**अवधेश कुमार तिवारी,**
**विशेष सचिव**
**उ0प्र0 शासन।**

**सेवा में,**

**मुख्य कार्यपालक अधिकारी,**
**उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण**
**लखनऊ।**

**ग्राम्य विकास अनुभाग-9** **लखनऊ : दिनांक-22 अक्टूबर, 2020**

**विषय-वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए आय-व्ययक में सामान्य (गैर वेतन) मद में प्राविधानित बजट के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में रू0 56.65 लाख की धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।**

**महोदय,**

**उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1219/एफ-31(8)/यूपीआरआरडीए/2020, दिनांक-21.09.2020 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक में उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण के संचालन हेतु सहायता अनुदान में गैर वेतन मद के लिए प्राविधानित धनराशि रू0 226.60 लाख (रूपये दो करोड छब्बीस लाख साठ हजार मात्र) के सापेक्ष द्वितीय किश्त की धनराशि रू0 56.65 लाख (रूपये छप्पन लाख पैसठ हजार मात्र) को आपके निर्वतन पर रखने हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-**

**(1) प्रथम किश्त के व्यय/समायोजन/आकड़ों की शुद्धता का दायित्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण, लखनऊ का होगा।**

**(2) मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण, लखनऊ द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करते हुए अपितु प्रकरण में आवश्यकता व औचित्य के संबंध में संतुष्ट होते हुए आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।**

**(3) स्वीकृत की जा रही धनराशि के नियम संगत व्यय व स्वीकृत धनराशियों के निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण, लखनऊ का होगा।**

**(4) स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर यदि किसी ऐसे खाते में रखा जाता है जिसमें ब्याज अर्जित होता है, तो अर्जित ब्याज के नियमानुसार समायोजन/निर्धारित लेखाशीर्षक में जमा कराने का दायित्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण, लखनऊ का होगा।**

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय योजनान्तर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत निर्धारित मदों में किया जायेगा।

(6) धनराशि के आहरण के सम्बन्ध में मितव्ययता संबंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों एवं वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(7) स्वीकृत की जा रही धनराशि के संबंध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2019-231/2019, दिनांक-24.03.2020 व अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-800-अन्य व्यय-04-प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना-0401-उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण की स्थापना-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-यू0ओ0-ई-2-748/X-2020, दिनांक-20.10.2020 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अवधेश कुमार तिवारी)
विशेष सचिव।

संख्या-19/2020/160(1)अडतीस-9-2020, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज।
3- आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 लखनऊ।
4- वित्त नियंत्रक, उ0प्र0 ग्रामीण सडक विकास अभिकरण, लखनऊ।
5- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-2/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
7- गार्डबुक।

आज्ञा से,

(लाल धीरेन्द्र राव)
संयुक्त सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in